Delhi Public School, Howrah

PERIODIC TEST-III (2025-2026)

CLASS- XII

Care must be taken not to write anything on the question paper. All the questions must be attempted in the correct sequence.

विषय : हिंदी - सं. (302)

अवधिः 3 घंटे **पूर्णांक = 80**

सामान्य निर्देश -

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) यह प्रश्न-पत्र **तीन** खण्डों में विभाजित है।

(ii) **खण्ड क** में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) **खण्ड ख** में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

(iv) **खण्ड ग** में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

खंड- 'क' अपठित बोध 18 **अंक**

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- **10**

बालमन तकनीक के जाल में बुरी तरह उलझ गया है। खेल, सूचनाएँ, अध्ययन से जुड़ी सामग्री, विद्यालयी गतिविधियों की जानकारियाँ और मित्रता तक सब कुछ बच्चे तकनीकी संसाधनों के माध्यम से ले रहे हैं। तकनीक के सीमित क्षेत्र में मासूम मन ने अपनी एक अलग दुनिया बना ली है। पल-पल अवतरित होती सामग्री बालमन को बहला ही नहीं, भटका भी रही है। हर तरह के रंग लिए इस सामग्री में रमे बच्चों को कोई हिदायत या अभिभावकों की सहज सलाह भी स्वीकार नहीं। इन माध्यमों ने बच्चों की मासूमियत ही नहीं समझ भी छीन ली है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मोबाइल गेमिंग की लत को एक डिसऑर्डर माना है। इस आभासी व्यस्तता के कारण एकाग्रता के साथ-साथ बच्चों की बाल सुलभ रचनात्मकता भी खो रही है। गेमिंग की लत के कारण शारीरिक गतिविधियाँ घटने से बच्चों को मोटापा, आलस और अनिद्रा की समस्याएँ घेर रही हैं। एम्स के चिकित्सकों के अनुसार हमारे यहाँ 2050 तक लगभग 40 से 45 फीसदी बच्चे मायोपिया का शिकार हो जाएँगे।

बच्चों की इस बदलती दुनिया में अभिभावकों का समय रहते चेतना आवश्यक है। बच्चों और बड़ों के बीच नियमित संवाद ज़रूरी है। घर का माहौल बदलना और माता-पिता का भी स्मार्टफोन की चकाचौंध से दूर रहना पहला क़दम है। मोबाइल फोन की लत के शिकार बच्चों को धीरे-धीरे संयम के साथ सहज जीवन की ओर मोड़ना होगा। बीते दिनों फ्रांस में स्नायु विज्ञानी, मनोवैज्ञानिक और अन्य

विशेषज्ञों की समिति ने अपनी रिपोर्ट में सिफ़ारिश की है कि बच्चों को तेरह वर्ष की आयु तक स्मार्टफोन का प्रयोग नहीं करने देना चाहिए और 18 वर्ष की आयु तक सोशल मीडिया मंचों के प्रयोग पर भी पूरी तरह रोक लगा देनी चाहिए। तकनीक के इस जाल में उलझने से बचाने या उलझने के बाद फिर सहज जीवन से जोड़ने का पहलू हो, दोनों मोर्चों पर माता-पिता का संयमित और समझ भरा बर्ताव बच्चों का जीवन सहेज सकता है।

<u>सोपान I. बहुविकल्पीय प्रश्न</u> **3X1=3**

I. वर्तमान समय में बालमन किसमें उलझा हुआ है?

(क) खेलकूद के जाल में (ख) परीक्षाओं की तैयारी में

(ग) तकनीक के जाल में (घ) आभासी मित्रों के जाल में

II. निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए।

कथन : आभासी दुनिया में रमे बच्चों को बड़ों की सहज सलाह भी स्वीकार्य नहीं है।

कारण : तकनीकी संसाधनों ने बच्चों की मासूमियत के साथ-साथ उनके सोचने समझने की शक्ति को भी प्रभावित किया है।

विकल्प :

(क) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(ख) कारण सही है, लेकिन कथन ग़लत है।

(ग) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।

(घ) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है। कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

III. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

कथन I: तकनीकी सामग्री से बालमन भटक रहा है।

कथन II : तकनीकी सामग्री का बच्चों की मासूमियत पर कोई असर नहीं पड़ता ।

कथन III : तकनीकी सामग्री के कारण बच्चे कुशाग्र बुद्धि बन रहे हैं।

कथन IV : तकनीकी सामग्री के कारण बच्चों की एक अलग दुनिया बन चुकी है।

गद्यांश के अनुसार कौन-से कथन सही हैं?

(क) केवल कथन I, II और III सही हैं। (ख) केवल कथन I और IV सही हैं।

(ग) केवल कथन I, II और IV सही हैं। (घ) केवल कथन II और III सही हैं।

<u>सोपान II. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न</u> **1X1=1**

IV. तकनीकी संसाधनों के महत्व को स्पष्ट करते हुए दो प्रमुख बिंदुओं का उल्लेख कीजिए।

<u>सोपान III. लघुत्तरात्मक प्रश्न</u> **3X2=6**

V. मोबाइल गेमिंग का बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ रहा है?

VI.आभासी दुनिया के दुष्प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिए अभिभावकों को क्या-क्या कदम उठाने चाहिए?

VII. फ्रांस में विभिन्न विषय विशेषज्ञों की समिति ने आभासी दुनिया से संबंधित रिपोर्ट में कौन-कौन सी सिफारिशें की हैं?

2. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- **8**

तपने के बाद वे भट्टे की समाधि से निकलीं
और एक वास्तुविद के स्वप्न में
विलीन हो गईं
घर एक ईंटों भरी अवधारणा है
जी बिल्कुल ठीक सुना आपने
मकान नहीं घर
जैसे घर में कोई छोटा-बड़ा नहीं होता
सभी लोग करते हैं सब तरह के काम
एकदम ईंटों की तरह
जो होती हैं एक-दूसरे की पर्यायवाची
एक-दूसरे की बिल्कुल जुड़वाँ
वैसे ईंटें मेरे पाठ्यक्रम में थीं
लेकिन जब वे घर बनाने आईं
तो पाठ्यक्रम से ही बाहर था उनका हर दृश्य
ईंटों के चट्टे की छाया में
तीन ईंटें थीं एक मज़दूरनी का चूल्हा
एक उसके थके हुए सिर के नीचे लगी थी
बाद में जो लगने से बच गईं
उनको तो करने थे और बड़े काम
बक्सों-अलमारियों को सीलन से बचाना था
टूटे हुए पायों को थामना था
ऊँची जगहों तक पहुँचने के लिए
बच्चों का क़द
ईंटों को ही बढ़ाना था
हम चाहते हैं ईंटें हों सुडौल
रंगत हो सुर्ख
बोली में धातुओं की खनक
फिर दाम भी हों मुनासिब

<u>सोपान I. बहुविकल्पीय प्रश्न</u> **3X1=3**

I. तपने के बाद ईंटों के साथ क्या हुआ ?

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन I ईंटें भट्टे में समाधिस्थ ही रहीं।

कथन II: ईंटें भट्टे में ही विलीन हो गईं।

कथन III: ईंटें भवन-निर्माता के सपनों को आकार देने लग गईं।

कथन IV: ईंटें भट्टे से बाहर निकल आईं।

विकल्प :

(क) केवल कथन I सही है।

(ख) केवल कथन IV सही है।

(ग) केवल कथन I और III सही हैं।

(घ) केवल कथन III और IV सही हैं।

II. पाठ्यक्रम से इतर ईंटों का बाहरी दृश्य क्या था?

(क) मज़दूरों के दैनिक जीवन की आवश्यकताओं में काम आना

(ख) बच्चों के खेल-कूद की सामग्री के रूप में काम आना

(ग) तपने के लिए भट्टे की अग्नि को सहन करना

(घ) भवन-निर्माण सामग्री के रूप में उपयोग आना

III. 'फिर दाम भी हों मुनासिब' पंक्ति के माध्यम से मानव स्वभाव की किस विशेषता का पता चलता है?

(क) वस्तु खरीदते समय मोल-भाव करना

(ख) कम दाम में गुणवत्तापूर्ण वस्तु खरीदना

(ग) उचित मूल्य देकर ही वस्तु खरीदना

(घ) वस्तु खरीदने से पहले जेब टटोलना

<u>सोपान II. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न</u> **1X1=1**

IV मज़दूरनी ने ईंटों का उपयोग कैसे किया ?

<u>सोपान III. लघूत्तरात्मक प्रश्न-</u> **2X2=4**

V. गृह-निर्माण के पश्चात् बची ईंटों के साथ क्या हुआ ?

VI. 'घर को ईंटों भरी अवधारणा' किस आधार पर कहा गया है ?

खंड- 'ख' अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न **22अंक**

3. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग 120 शब्दों में एक रचनात्मक लिखिए- **6**

(क) मातृभाषा में शिक्षा

(ख) लोकतन्त्र का चौथा स्तंभ

(ग) 'डिजिटल अरेस्ट' अपराध का नया तरीका

4. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्ही <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए- **4X2=8**

I. विचारों को शब्दबद्ध करना, लेख की शक्ल देना ज़्यादातर लोगों के लिए खासा मुश्किल काम क्यों है?

II. रेडियो नाटक में पात्रों की संख्या सीमित रखने का बंधन क्यों है?

III. विशेष लेखन की भाषा शैली सामान्य लेखन से किस प्रकार भिन्न है? लिखिए।

IV. पूर्णकालिक और अंशकालिक पत्रकार के बीच का अंतर स्पष्ट कीजिए।

V. स्तंभ लेखन से आप क्या समझते हैं?

5. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में दीजिए-

2X4=8

I. नाटक और कहानी की आत्मा के कुछ मूल तत्त्वों के एक होते हुए भी दोनों में क्या भिन्नता है ?

II. विशेष रिपोर्ट किसे कहते हैं? इसके विभिन्न प्रकारों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।

III. रेडियो समाचारों की भाषा कैसी होनी चाहिए ?

खंड- 'ग'आरोह भाग -1 एंव वितान भाग -1 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर 40 अंक

6. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **5X1=5**

धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूतु कहौ, जोलहा कहौ कोऊ।
काहूकी बेटी सो बेटा न ब्याहब, काहूकी जाति बिगार न सोऊ ।।
तुलसी सरनाम गुलामु है राम को, जाको रुचै सो कहै कछु ओऊ ।।
माँगि कै खैबौ, मसीत को सोइबो, लैबोको एकु न दैबको दोऊ ।

I. काव्यांश का वर्ण्य विषय है -

(क) समाज की आर्थिक स्थिति का वर्णन (ख) जाति-पाँतिगत भेदभाव का वर्णन

(ग) समाज में विद्यमान भेदभाव का वर्णन (घ) धर्म के नाम पर हो रहे आडंबरों का वर्णन

II. 'काहूकी बेटी सो बेटा न ब्याहब' पंक्ति के माध्यम से कटाक्ष किया गया है -

(क) समाज में व्याप्त जाति व्यवस्था पर (ख) जाति आधारित वैवाहिक प्रथा पर

(ग) पुरुष प्रधान समाज की मानसिकता पर (घ) समाज की विघटनकारी व्यवस्था पर

III. तुलसीदास स्वयं को किसका दास मानते हैं ?

(क) नियमों का (ख) परिस्थितियों का

(ग) स्वयं का (घ) राम का

IV. निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : परंपरावादी एवं रूढ़िग्रस्त समाज में रहते हुए भी तुलसी निर्विकार जीवन व्यतीत कर रहे थे।

कारण : वे सामाजिक उत्तरदायित्वों से मुक्त थे ।

विकल्प :

(क) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(ख) कारण सही है, लेकिन कथन ग़लत है।

(ग) कथन सही है लेकिन कारण कथन की गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

V. 'लैबोको एकु न दैबको दोऊ' से आशय है

(क) न लेना एक न देना दो (ख) किसी से कोई बुरी बात न कहना

(ग) बिना वजह की मुसीबत होना (घ) किसी से कोई संबंध न रखना

7. काव्य खंड के आधार पर निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए- 2X3=6

(क) आत्मपरिचय' कविता के आधार पर लिखिए कि जग की ओर ध्यान न देने वाला कवि जग-जीवन का भार लिए क्यों फिरता है ?

(ख) 'बात सीधी थी पर' कविता से उधृत पंक्ति 'भाषा को सहूलियत से बरतने' का अर्थ स्पष्ट करते हुए लिखिए कि कवि ने भाषा की सहजता पर क्यों बल दिया है ?

(ग) "उषा' कविता में प्रातः कालीन आकाश में होने वाले सूर्योदय का गतिशील चित्रण हुआ है।'पुष्टि कीजिए।

8. काव्य खंड के आधार पर निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए- 2X2=4

(क) 'सदा पंक पर ही होता, जल विप्लव प्लावन' पंक्ति में प्रयुक्त 'पंक' और 'विप्लव' शब्द की प्रतीकात्मकता स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में 'यह अवसर खो देंगे' पंक्ति में कौन से अवसर को खोने की बात कही जा रही है? इससे मीडियाकर्मी के किस व्यवहार का पता लगता है ?

(ग) 'पतंग' कविता से उधृत पंक्ति 'डाल की तरह लचीले वेग से' का आशय स्पष्ट कीजिए।

9. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- 5X1=5

भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा, क्योंकि उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं। वह सत्यवादी हरिश्चंद्र नहीं बन सकती; पर 'नरो वा कुंजरो वा' कहने में भी विश्वास नहीं करती। मेरे इधर-उधर पड़े पैसे रुपये, भंडार-घर की किसी मटकी में कैसे अंतरहित हो जाते हैं, यह रहस्य भी भक्तिन जानती है। पर, उस संबंध में किसी के संकेत करते ही वह उसे शास्त्रार्थ के लिए चुनौती दे डालती है, जिसको स्वीकार कर लेना किसी तर्क-शिरोमणि के लिए संभव नहीं। यह उसका अपना घर ठहरा, पैसा-रुपया जो इधर-उधर पड़ा देखा, सँभालकर रख लिया। यह क्या चोरी है! उसके जीवन का परम कर्तव्य मुझे प्रसन्न रखना है जिस बात से मुझे क्रोध आ सकता है, उसे बदलकर इधर-उधर करके बताना, क्या झूठ है। इतनी चोरी और इतना झूठ तो धर्मराज महाराज में भी होगा, नहीं तो भगवान जी कैसे प्रसन्न रख सकते और संसार को कैसे चला सकते !

I. गद्यांश में 'नरो वा कुंजरो वा' का उल्लेख किस संदर्भ में किया गया है ?

(क) महाभारत के प्रसंग से अवगत कराने के लिए

(ख) भक्तिन को युधिष्ठिर के समकक्ष रखने के लिए

(ग) भक्तिन की चारित्रिक विशेषता स्पष्ट करने के लिए

(घ) भक्तिन को युधिष्ठिर से श्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए

II. भक्तिन घर में पड़े पैसों को मटकी में छिपाकर किस उद्देश्य से रखती थी ?

(क) पैसों को सँभालकर रखने

(ख) अन्य सेवकों की दृष्टि से बचाने

(ग) आपातकाल में काम आने

(घ) स्वयं को दूसरे से श्रेष्ठ समझने

III. 'थोड़ा बहुत झूठ बोलना' के समर्थन में भक्तिन अपना आदर्श किसे मानती थी ?

(क) हरिश्चंद्र (ख) यमराज

(ग) युधिष्ठिर (घ) महादेवी

IV. निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा।

कारण : समय और परिस्थिति के अनुसार मूल तथ्यों में जोड़-घटाव करती थी।

विकल्प :

(क) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(ख) कारण सही है, लेकिन कथन ग़लत है।

(ग) कथन सही है किंतु कारण कथन की गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

V. महादेवी जी के क्रोध से बचने के लिए भक्तिन क्या करती थी ?

I. खूब मन लगाकर काम करती थी II. बातों को ढालकर बताती थी

III. उनके सामने नहीं आती थी IV. बातों को स्पष्ट रूप से बताती थी

10. गद्य खंड के आधार पर निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए- 2X3=6

(क) 'लू में जाना हो तो पानी पीकर जाना चाहिए।' 'बाजार दर्शन' पाठ में यह वाक्य क्यों और किस संदर्भ में कहा गया ?

(ख) अनावृष्टि दूर करने के लिए गाँव के बच्चों और गाँव वालों द्वारा किए गए उपायों को आप कितना उचित मानते हैं ? 'काले मेघा पानी दे' पाठ के संदर्भ में तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

(ग) शिरीष के माध्यम से लेखक ने, 'कालजयी अवधूत की भाँति विपरीत परिस्थितियों में भी अविचल खड़े रहने की प्रेरणा दी है।' पुष्टि कीजिए।

11. गद्य खंड के आधार पर निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए- 2X2=4

(क) वैश्वीकरण के इस दौर में क्या भगत जी का चरित्र बाज़ार को सार्थकता और समाज में शांति स्थापित कर सकता है ? 'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ख) 'शिरीष के फूल' पाठ में कबीर को शिरीष की भाँति क्यों बताया गया है?

(ग) 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ से उधृत कथन 'दासता केवल कानूनी पराधीनता ही नहीं है' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

12. वितान के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए- **2X5=10**

(क) 'यशोधर बाबू की यह विवशता है वह पुराने को अच्छा समझते हैं और वर्तमान से तालमेल नहीं बिठा पाते।' क्यों ? 'सिलवर वैडिंग' कहानी के इस कथन के संबंध में तर्कपूर्ण विचार दीजिए कि क्या उनका यह व्यवहार उचित है ?

(ख) 'जूझ' कहानी आज के युवाओं के लिए प्रतिकूल परिस्थितियों से संघर्ष करने की एक प्रेरक कथा है। उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए ।

(ग) सिंधु घाटी सभ्यता को 'जल-संस्कृति' लेखक ने किस आधार पर कहा है? वर्तमान समय में जल संरक्षण क्यों आवश्यक है ?

----------X----------